13.02 hrs.

PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

FORTY-THIRD REPORT

Shri Morarka (Jhunjhunu): I beg to present the Forty-third Report of the Public Accounts Committee on Appropriation Accounts (P.&T.), 1963-64 and Audit Report (P.&T.), 1965.

13.02½ hrs.

MOTION ON THE PRESIDENT'S ADDRESS—*contd.*

Mr. Speaker: Further consideration of the motion of thanks on the President's Address, together with amendments moved thereon. Shri Omkar Singh to continue his speech.

Shri Hari Vishnu Kamath (Hoshangabad): Sir, before the debate is resumed, I wish to point out one thing. Yesterday, you are aware, when the debate was in progress, the Treasury Benches were vacant, and not a single Minister was present, not a single Cabinet Minister was present.

Mr. Speaker: I have told them.

Shri Hari Vishnu Kamath: I would suggest a remedy. If not even a single Cabinet Minister is present on the treasury Benches, I suggest that the time taken to summon Cabinet Ministers to the Treasury Benches should be debited to the Congress party's account. Otherwise, parliamentary democracy cannot function.

Mr. Speaker: Order, order. I have already said that I have brought this matter to their notice.

Shri Hari Vishnu Kamath: But they are incorrigible.

श्री ओंकार सिंह (बदायूं) : अध्यक्ष महोदय, कल में खाद्य समस्या के बारे में निवेदन कर रहा था । उसी सिलसिले में मुझे यह भी निवेदन करना है, अध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा कि सरकार ने जोन परिपाटी जो चलाई है उससे मुझे बड़ा ताज्जुब होता है । इस देश के एक हिस्से के लोग भूखे मरें और दूसरे प्रान्तों के मुख्य मन्त्री लोग यह निर्णय करें कि हम अपने प्रान्त से गल्ला दूसरे प्रान्त को नहीं दे सकते । कितने दुख की बात है कि इस हमारी भुखमरी पर अमरीका हमारे लिये त्याग कर सकता है लेकिन हमारे प्रान्तों के मुख्य मन्त्री लोग त्याग नहीं कर सकते । यह कितने शर्म की बात है । भुखमरी के लिये खाद्य संकट के लिये जोन की जो परिपाटी है, यह बहुत हानिकारक रही है । इस को तुरन्त दूर कर देना चाहिये । एक कोने के लोग भूखे रहें और दूसरे कोने में गल्ला जमा रहे, यह किसी भी तरह उचित नहीं है और इससे ऐसी सूरत पैदा हो गई है कि जिससे गल्ले का उत्पादन भी नहीं बढ़ रहा है ।

आज सरकार के विभागों में एक दूसरे से सहयोग की भावना घटती आ रही है और उसके कारण कार्यक्षमता बराबर गिरती आ रही है और अगर ऐसी सूरत चलती रही तो आगे काम किस तरीके से चलेगा । एक विभाग दूसरे विभाग को सहयोग न दे, उल्टे अड़ंगा डालता रहे, तो कार्यक्षमता बराबर गिरती चली जायेगी । आज 18 साल से बराबर ऐसी सूरत देखने में आ रही है और इस का मुख्य कारण जो है, वह सरकार की गलत नीति है । जब सेंटर से बात करने में मुख्य मंत्री लोग इस बात पर अपना निर्णय करते हैं कि हम सेन्टर की किसी बात को न मानें और अपने प्रान्त का गल्ला दूसरे प्रान्त को न दें तो इसी तरह से सरकार के विभागों के कर्मचारियों में इस प्रकार की भावना बढ़ती चली जा रही है और एक दूसरे से सहयोग न मिलने